आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 20.04.2024 समय : 0705

<><><><><><><>

- द्वीपसमूह की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए कल हुए चुनाव में तिरसठ दशमलव नौ नौ प्रतिशत वोट पडे।
- ननकौडी तहसील में सबसे अधिक अस्सी दशमलव आठ नौ प्रतिशत और पोर्ट ब्लेयर तहसील में सबसे कम चव्वन दशमलव पांच शून्य प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।
- द्वीपसमूह के इतिहास में पहली बार सात शौम्पेन आदिम जनजातियों ने भी कल वोट डाले।
- द्वीपों में चुनाव कल शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो गया।
- मुख्य निर्वाचन अधिकारी बी एस जगलान ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी के प्रति आभार प्रकट किया है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए कल हुए मतदान में तिरसठ दशमलव नौ नौ प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। तीन लाख पन्द्रह हजार एक सौ अड़तालीस मतदाताओं में से दो लाख एक हजार छह सौ इकहत्तर मतदाताओं ने कल पहले चरण के चुनाव में वोट डाले। ननकौडी तहसील में सबसे अधिक अस्सी दशमलव आठ नौ प्रतिशत वोट पडे जबकि पोर्ट ब्लेयर तहसील में सबसे कम चव्वन दशमलव पांच शून्य प्रतिशत मतदाताओं ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया। डिगलीपुर तहसील में कुल चौंतीस हजार सात सौ छिहत्तर मतदाताओं में से पच्चीस हजार आठ सौ चौंसठ मतदाताओं ने वोट डाले और यहां कुल प्रतिशत चौहत्तर दशमलव तीन सात रहा। मायाबंदर तहसील में उन्नीस हजार चौरानवे मतदाताओं में से चौदह हजार तिरासी वोट पडे और इस तहसील में तिहत्तर दशमलव सात छह प्रतिशत मतदाताओ ने कल के चुनाव में भाग लिया।

रंगत में पच्चीस हजार सात सौ आठ मतदाताओं में सत्रह हजार नौ सौ छियासी लोगों ने वोट डाले। उनहत्तर दशमलव नौ छह प्रतिशत इस तहसील में वोट पडे। मध्योत्तर अंडमान जिले में कुल उनयासी हजार पांच सौ अटहत्तर मतदाताओं में से सत्तावन हजार नौ सौ तैंतीस लोगों ने वोट डोल और इस क्षेत्र में कुल बहत्तर दशमलव आठ शून्य प्रतिशत वोट पडे। पोर्ट ब्लेयर तहसील में एक लाख उनचास हजार छह सौ छियासठ मतदाताओं में से चव्वन दशमलव पांच शून्य मतदाताओं ने कल के मतदान में भाग लिया। इक्यासी हजार पांच सौ तिरेसठ इस तहसील में वोट पडे। फरारगंज तहसील में छियालीस हजार तीन सौ तिरासी कुल मतदाताओं में चौंतीस हजार दो सौ सतहत्तर वोट डाले गए। तिहत्तर दशमलव नौ शून्य प्रतिशत इस तहसील में वोट डाले गए। लिटिल अंडमान में चौदह हजार नब्बे कुल मतदाताओं में से नौ हजार तीन सौ इक्यानबे लोगों ने कल के महापर्व में भाग लिया और वोट का प्रतिशत छियासठ दशमलव छह पांच रहा। दक्षिण अंडमान जिले में कुल दो लाख दस हजार एक सौ उनतालीस मतदाताओं में से एक लाख पच्चीस हजार दो सौ इक्कतीस मतदाताओं ने अपने वोट डाले। उनसठ दशमलव पांच नौ प्रतिशत लोगों ने जिले में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। निकोबार का वोट प्रतिशत बहत्तर दशमलव नौ एक रहा। यहां कुल बारह हजार छह सौ छत्तीस मतदाताओं में से नौ हजार दो सौ तेरह लोगों ने वोट डाले। ननकौड़ी में अस्सी दशमलव आठ नौ प्रतिशत वोट पड़ा। छह हजार नौ सौ सत्रह लोगों में से पांच हजार पांच सौ पिचानवे मतदाताओं ने वोट डाले। कैम्पबेल–बे में पांच हजार आठ सौ अटहत्तर कुल मतदाताओं में से तीन हजार छह सौ निन्यानबे लोगों का वोट पडा और बासठ दशमलव नौ तीन प्रतिशत मतदान हुआ। निकोबार जिले में कुल मतदाताओं की संख्या पच्चीस हजार चार सौ इक्कतीस है इसमें कल अटठारह हजार पांच सौ सात मतदाताओ ने वोट डाले और इस जिले में कुल बहत्तर दशमलव सात सात प्रतिशत मतदान हुआ।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के इतिहास में पहली बार कल सम्पन्न हुए चुनाव में ग्रेट निकोबार द्वीप में रहने वाले शौम्पेन आदिम जनजातियों ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

दो हजार चौदह में पहली बार कुल अटठानवे शौम्पेन आदिम जनजातियों के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने के बाद ये पहला अवसर है जब इस समूह के लोगों ने देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लिए। कल कुल सात शौम्पने ने वोट डाले। इसके अलावा डूगॉन्ग क्रीक में रहने वाले अड़सठ ओंगी आदिम जनजातियों में से तिरसठ लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। स्ट्रेट आइलैंड के उनतालीस ग्रेट अंडमानियों में से तैंतीस लोगों ने वोट डाले। लौफुल–बे के चौदह मतदाताओं में से किसी ने भी अपने मत का प्रयोग नहीं किया। द्वीपों के उप–राज्यपाल एडमिरल डी. के जोशी और द्वीपों की प्रथम महिला चित्रा जोशी ने कल जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय मतदान केन्द्र मे ंजाकर अपने मताधिकार का प्रयोग किए। बाद में कॉलेज परिसर में स्थापित सेल्फी प्वाइंट में उन्होंने फोटो खिंचवाया। मुख्य सचिव केशव चन्द्र में रविन्द्र बांग्ला विद्यालय आदर्श मतदान केन्द्र में वोट डालने के बाद सेल्फी प्वाइंट में फोटो भी खिंचवाए।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए पहले चरण का चुनाव कल शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो गया और कहीं से भी कोई गड़बड़ी के समाचार नहीं मिले। द्वीपसमूह में मतदान के लिए कुल चार सौ बारह मतदान केन्द्र बनाए गए। इनमें दक्षिण अंडमान ज़िले में दो सौ तेईस, मध्योत्तर अंडमान जिले में एक सौ बत्तीस और निकोबार जिले में सत्तावन मतदान केन्द्र स्थापित किए गए। मतदान के लिए द्वीपसमूह के विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा के भी व्यापक प्रबंध किए गए। पांच हजार से अधिक सुरक्षा बलों को चुनावी ड्यूटी में लगाया गया। प्रत्येक मतदान केन्द्रों में सुरक्षा की दृष्टि से काफी पुख्ता प्रबंध किए गए। मतदान केन्द्रों के बाहर भीड़भाड़ को रोकने के लिए राजनीतिक दलों के एजेंटों के लिए निर्धारित दूरी पर बूथ भी स्थापित किया गया था। मतदान केन्द्र में ज़रूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई थी। प्रत्येक मतदान केन्द्र में पुरूष और महिला मतदाता के अलावा वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी अलग–अलग पंक्ति बनाई गई थी। दिव्यांगजनों के लिए भी विशेष व्यवस्था थी। मतदान केन्द्र के भीतर मोबाइल आदि का प्रयोग पूरी तरह से वर्जित था। ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों के लिए उनके ड्यूटी स्थल पर ही मतदान करने की व्यवस्था थी।

पूरी चुनावी प्रकिया पर नज़र रखने के लिए चुनाव आयोग की ओर से सामान्य पर्यवेक्षक, व्यय पर्यवेक्षक और पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए। चुनाव के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए थे।

<><><><><><><>

द्वीपों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी बी एस जगलान ने द्वीपों में शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी के प्रति आभार प्रकट किया है। कल पोर्ट ब्लेयर में सचिवालय के सम्मेलन कक्ष में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस चुनाव के लिए द्वीपों के चार सौ बारह मतदान केन्द्रों के लिए व्यापक व्यवस्था की गई थी और मतदाताओं का भी ध्यान रखा गया था। सुरक्षाबलों के साथ– साथ केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों की भी नियुक्ति की गई थी। वृद्धजनों, दिव्यांगजनों के लिए विशेष परिवहन की व्यवस्था की गई थी ताकि वे आसानी से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। उन्होंने बताया कि मतदान सुबह सात बजे आरंभ हुआ और शुरूआती दो घंटे में मतदाताओं में भी उत्साह देखा गया। दिन में गर्मी के कारण मतदाताओं की संख्या में कमी आई लेकिन दोपहर बाद शाम होते– होते रफ्तार में फिर तेजी आई और बड़ी संख्या में लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मियों के साथ निर्वाचन अधिकारी, राज्य पुलिस नोडल अधिकारी ने शांतिपूर्ण चुनाव कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिए। उन्होंने मतदान से जुड़े सभी कर्मियों के प्रति भी अपना आभार प्रकट किया। पुलिस नोडल अधिकारी मोनिक भरदवाज ने बताया कि जगह–जगह शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे।

इस बीच, फरारगंज और पोर्ट ब्लेयर तहसील के ई वी एम को जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय के एकत्र केन्द्र के स्ट्रॉन्ग रूम में रखा जाएगा। संबंधित तहसील मुख्यालय के माध्यम से बाहरी द्वीपों के ई वी एम और मतदान सामग्रियों को भी पोर्ट ब्लेयर लाकर स्ट्रॉन्ग रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा जाएगा।

<><><><><><><>

द्वीपसमूह में इसबार के चुनाव में कुल बारह उम्मीदवारों के भाग्य अब ई वी एम में कैद हो चुकी है। चार जून को मतगणना के दिन इनके भाग्य का फैसला हो जाएगा। इस बार के चुनाव में राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों के अलावा मान्यता प्राप्त गैर राजनीतिक दल के साथ पांच निर्दलीय उम्मीदवार भी चुनाव लड़ रहे है। कल सम्पन्न हुए चुनाव में मतदान केन्द्रों में पुरूष और महिलाओं तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग–अलग पंक्ति बनाई गई थी। पांच हजार से अधिक सुरक्षा बलों को चुनाव ड्यूटी में लगाया गया। कुछ मतदान केन्द्रों में एन सी सी कैडेटों का भी सहयोग लिया गया। कुछ एक मतदान केन्द्रों में ई वी एम गड़बड़ी के समाचार मिले लेकिन उसे भी बाद में ठीक कर लिया गया। शाम के समय कुछ मतदान केन्द्रों पर लम्बी कतारें होने के कारण मतदान की पंक्ति में खड़े सभी मतदाताओं को निर्धारित समय के बाद भी वोट डालने का अवसर दिया गया।

<><><><><><><>